प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 11 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

"सफलता चाहने वाले मनुष्य का प्रथम कर्त्तव्य यह देखना है कि उसकी रूचि किन कार्यों की ओर अधिक है। यह बात गलत है कि हर कोई मनुष्य हर एक काम कर सकता है। लॉर्ड वेस्टरफील्ड स्वाभाविक प्रवृत्तियों के काम को अनावश्यक समझते थे और केवल परिश्रम को ही सफलता का आधार मानते थे। इसी सिद्धान्त के अनुसार उन्होंने अपने बेटे स्टेनहाप को, जो सुस्त, ढीलाढाला, असावधान था, सत्पुरुष बनाने का प्रयास किया। वर्षों परिश्रम करने के बाद भी लड़का ज्यों का त्यों रहा और जीवन–भर योग्य न बन सका। स्वाभाविक प्रवृत्तियों को जानना कठिन भी नहीं है, बचपन के कामों को देखकर बताया जा सकता है कि बच्चा किस प्रकार का मनुष्य होगा। प्रायः यह संभावना प्रबल होती है कि छोटी आयु में कविता करने वाला कवि, सेना बनाकर चलने वाला सेनापति, भुट्टे चुराने वाला चोर–डाकू, पुरजे कसने वाला मैकेनिक और विज्ञान में रूचि रखने वाला वैज्ञानिक बनेगा।

जब यह विदित हो जाए कि लड़के की रूचि किस काम की ओर है तब यह करना चाहिए कि उसे उसी विषय में ऊँची शिक्षा दिलाई जाए। ऊँची शिक्षा प्राप्त करके मनुष्य अपने काम–धंधे में कम परिश्रम से अधिक सफल हो सकता है, जिनके काम–धंधे का पूर्ण प्रतिबिंब बचपन में नहीं दिखता, वे अपवाद ही हैं।

प्रत्येक मनुष्य में एक विशेष कार्य को अच्छी प्रकार करने की शक्ति होती है। वह बड़ी दृढ़ और उत्कृष्ट होती है। वह देर तक नहीं छिपती। उसी के अनुकूल व्यवसाय चुनने से ही सफलता मिलती है। जीवन में यदि आपने सही कार्यक्षेत्र चुन लिया तो समझ लीजिए कि बहुत बड़ा काम कर लिया।

1. लॉर्ड वेस्टरफील्ड का क्या सिद्धान्त था? समझाइए 2

उत्तर : लॉर्ड वेस्टरफील्ड का सिद्धान्त था कि केवल परिश्रम ही सफलता का आधार है। उनका कहना था कि हर मनुष्य हर एक काम नहीं कर सकता। मनुष्य केवल उसी कार्य में सफल हो सकता है, जिसमें उसकी अधिक स्वाभाविक रूचि होती है।

2. इसे उसने सर्वप्रथम किस पर आजमाया? और क्या परिणाम रहा? 2

उत्तर : इसे उसने सर्वप्रथम अपने सुस्त, ढीले–ढाले तथा असावधान स्वभाव वाले पुत्र स्टेनहाप पर आजमाया। इसका परिणाम यह हुआ कि वर्षों परिश्रम करने के बाद भी लड़का ज्यों का त्यों रहा और जीवन–भर योग्य न बन सका।

3. बालक आगे चलकर कैसा मनुष्य बनेगा, इसका अनुमान कैसे लगाया जा सकता है? 2

उत्तर : बचपन के कामों को देखकर ही अनुमान लगाया जा सकता है कि बालक आगे चलकर कैसा मनुष्य बनेगा।

4. सही कार्यक्षेत्र चुनने के क्या लाभ हैं? 2

उत्तर : जीवन में सही कार्यक्षेत्र चुनने के बाद उसी के अनुकूल व्यवसाय करने से मनुष्य को निश्चित रूप से सफलता मिलती है।

5. 'कार्यक्षेत्र' का वर्णविच्छेद कीजिए। 1

उत्तर : क् + आ + र् + य् + अ + क् + ष् + ए + त् + र् + अ।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : सफलता का सिद्धान्त।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. शब्द क्या है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 1

उत्तर : वर्णों का सार्थक समूह शब्द कहलाता है। जैसे–चाँद।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

$1 \times 3 = 3$

1. वह पुस्तक लेने बाजार गया। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर : चूँकि उसे पुस्तक लेनी थी इसलिए वह बाजार गया।

2. तुमने जो घड़ी खरीदी, वह अच्छी थी। (सरल वाक्य में)
उत्तर : तुमने अच्छी घड़ी खरीदी।
3. वह वाचनालय जाकर समाचार पत्र पढ़ने लगा। (संयुक्त वाक्य में)
उत्तर : वह वाचनालय गया और समाचार पत्र पढ़ने लगा।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
दहेज–प्रथा, महात्मा।
उत्तर : दहेज–प्रथा– दहेज की प्रथा (तत्पुरूष समास)
महात्मा– महान है जो आत्मा (कर्मधारय समास)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
नया जो युवक, ध्यान में मग्न।
उत्तर : नया जो युवक– नवयुवक (कर्मधारय समास)
ध्यान में मग्न– ध्यानमग्न (तत्पुरूष समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–$1 \times 4 = 4$

1. हम यहाँ सकुशलतापूर्वक हैं।
उत्तर : हम यहाँ सकुशल हैं।
2. आज लगभग कोई एक दर्जन छात्र नहीं आए हैं।
उत्तर : आज लगभग एक दर्जन छात्र नहीं आए।
3. कृपया आज का अवकाश देने की कृपा करें।
उत्तर : कृपया आज का अवकाश दें।
4. मोहन ने घर गया और सो गया।
उत्तर : मोहन घर गया और सो गया।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए।
$1 \times 4 = 4$

1. बच्चों ने अध्यापक के ..... दिए।
उत्तर : नाकों चने चबवा (नाकों चने चबाना)
2. राधिका नदी में गिरने से ..... गई।
उत्तर : बाल–बाल बच (बाल–बाल बचना)
3. वनों के कट जाने के कारण जीव–जंतुओं ने शहरों में ..... लिया।
उत्तर : डेरा डाल (डेरा डालना)
4. अपना ..... हम सभी को अपना बना सकते हैं।
उत्तर : आपा खोकर (आपा खोना)

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. लेखक के मन में बड़े भाई साहब के प्रति श्रद्धा के भाव कब उत्पन्न हुए?
उत्तर : छोटे भाई को गली के लड़कों के साथ पतंग के लिए बेहताशा दौड़ते हुए जब बड़े भाई साहब ने देख लिया तो उन्होंने उसे समझाना शुरू किया कि यह मत भूलना कि मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ। कक्षा में यदि तुम मेरे समकक्ष भी आ जाओ तो भी मैं तुमसे बड़ा ही रहूँगा। मुझे जीवन का अनुभव है, इस हेतु उन्होंने दादा, अम्मा व हैडमास्टर की माँ के उद–ाहरण भी दिए कि वे अनपढ़ होने पर भी घर खर्च चलाना, बीमारी का इलाज व शेष प्रबंध भली–भाँति कर लेते हैं। उन्होंने यह कहा कि मेरे रहते तुम बेराह नहीं चल सकते। अगर तुम न माने तो मैं थप्पड़ का भी प्रयोग कर सकता हूँ। ऐसे मैं लेखक को अपनी लघुता का अहसास हुआ और बड़े भाई के प्रति श्रद्धा के भाव उमड़ पड़े।
2. पुलिस झंडा गाड़ने का विरोध क्यों कर रही थी? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए।
उत्तर : कलकत्ता में सन् 1931 में ब्रिटिश शासन सत्ता के विरोध में सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में एक आम सभा बुलाई गई। इस कार्य का पूरा भार पूर्णोदास पर था। इस दिन कलकत्ता में जगह–जगह झंडोत्सव मनाया गया। पुलिस झंडा गाड़ने का विरोध कर रही थी क्योंकि यह ब्रिटिश सरकार के विरूद्ध खुला प्रदर्शन था उन्हें डर था कि यदि लोग अधिक भड़क गए तो सरकार को अधिक नुकसान पहुँचा सकते हैं।
3. सआदत अली को कर्नल अवध के तख्त पर क्यों बिठाना चाहता था?
उत्तर : सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का मकसद था– अवध की धन–संपत्ति पर अधिकार करना। सआदत अली अंग्रेजों का मित्र था। सआदत अली ऐ–शोआराम पसंद व्यक्ति था। उसने आधी संपत्ति और दस लाख रुपये कर्नल को देकर उसका स्वार्थ सिद्ध करने के षड्यंत्र को सफल बना दिया। अब सआदत अली को किसी प्रकार का खतरा नहीं था।
4. जापान में लोगों को मानसिक रोग होने का मुख्य कारण क्या हैं?
उत्तर : जापान में लोगों के मानसिक रोग का कारण है दिमाग में स्पीड का इंजन लगाना क्योंकि वे महीनों का काम दिनों में, दिनों का काम घंटों में करना चाहते हैं। ऐसा करने से उनका मानसिक तनाव बढ़ जाता है।

8. प्रसंग 'झेन की देन' में लेखक ने किसे सत्य माना है और क्यों? 80–100 शब्दों में लिखिए। 5
उत्तर : प्रसंग 'झेन की देन' में लेखक ने वर्तमान को सत्य माना है। उनका मानना है कि भूत की बातों को दोहराना व्यर्थ है क्योंकि वे बीत चुकी होती हैं। दूसरी और भविष्य के चिंतन का भी कोई लाभ नहीं क्योंकि न जाने आने वाला समय कैसा होगा? सत्य तो वर्तमान है जिसे हम जीते हैं। हमें भूत–भविष्य की चिंता किए बिना जीना चाहिए क्योंकि वर्तमान ही आनंद प्रदान करने वाला होता है। वास्तव में वर्तमान पर ही भूत और

भविष्य निर्भर करते हैं, क्योंकि जो आज वर्तमान है वह बनने वाला भूत है और जो वर्तमान को भली–भाँति सोच–समझकर जीता है तो उसका भविष्य काफी हद तक सुरक्षित ही रहता है। इसलिए वर्तमान को महत्त्व देना होगा।

अथवा

"जो जितना बड़ा होता है, उसे उतना ही कम गुस्सा आता है।" यह किसके संदर्भ में और क्यों कहा गया है? 'अब कहाँ दूसरों के दुख में दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : लेखक का मत है कि जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है अर्थात् जिस व्यक्ति में बड़प्पन होता है वह उदार व समझदार होता है उसमें सहनशक्ति अधिक होती है। लेकिन यदि उसे अत्यधिक परेशान किया जाए तो वह कुपित होकर शांत नहीं रहता। यह पंक्ति समुद्र के लिए प्रयुक्त की गई है कि मनुष्य ने अपने लाभ के लिए निरंतर समुद्र को छोटा कर दिया। पहले उसने अपनी टाँगे समेटी, फिर उकड़ूँ बैठा लेकिन जब उसके खड़े होने का भी स्थान न रहा तो उसने क्रोध में अपनी लहरों पर चलते जहाजों को इस कदर दूर फेंका कि उन पर सवार लोग चलने–फिरने के काबिल भी न रहे।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. बिना साबुन–पानी के उपयोग के निर्मलता कैसे आती है? कबीर के दोहे के आधार पर बताइए।

   उत्तर : कबीरदास का मानना है कि यदि हम निंदक को अपने पास रखते हैं तो हमें अपने मन को साफ करने के लिए साबुन–पानी की आवश्यकता नहीं पड़ती क्योंकि वह अपने स्वाभानुसार हमारी कमियाँ उजागर करता है और हमें उन्हें सुधारने का मौका मिलता है।

2. 'मनुष्यता' कविता में किन महापुरूषों का उल्लेख किया है? और क्यों?

   उत्तर : 'मनुष्यता' कविता में दधीचि, कर्ण, उशीनर, रंतिदेव जैसे महापुरूषों का उल्लेख किया है जिससे लोगों के मन में 'त्याग एवं बलिदान' का भाव जाग्रत हो।

3. धरती को दुल्हन कहने के पीछे कवि का भाव स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : कवि धरती को दुल्हन का उपमान देता है क्योंकि जिस प्रकार दुल्हा अपनी दुल्हन पर सर्वस्व न्योछावर करता है वैसे ही सैनिक धरती माँ को प्रेम करते हैं और उसके लिए बलिदान देने से घबराते नहीं।

4. कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?

   उत्तर : कंपनी बाग में रखी तोप यह संदेश देती है कि राक्षसी शक्ति, तोप–गोले, बम–बारूद चाहे कितने भी विनाशकारी हों, वे मानव के विरोध के सामने टिक नहीं सकते। आखिरकार मनुष्य की जाग्रत शक्ति विजयी होती है।

   यह तोप हमें यह भी बताती है कि जिस ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में कंपनी बाग बनाए थे, उन्होंने तोपें भी चलाई थीं। अतः विदेशी कंपनियों के ललचाऊ आकर्षणों से सावधान रहना। उनके इरादे बहुत खतरनाक हो सकते हैं।

10. कविता के आधार पर मनुष्यता कविता की सार्थकता 80–100 शब्दों में सिद्ध कीजिए। 5

उत्तर : कविता का शीर्षक मनुष्यता पूर्णतया सार्थक है। कविता में इस ओर संकेत किया गया है कि मनुष्यता क्या है और यह क्यों अनिवार्य है? मनुष्यता का अर्थ है मानव का मानव से प्रेम, सौहार्द–भाव, आपसी–एकता, जातिगत भावनाओं को महत्त्व न देना व आपसी भेदभावों को मिटाकर एकरूपता से जीवन व्यतीत करना। सभी के हृदय में एक–दूसरे के प्रति दया, करूणा, त्याग, बलिदान एवं सहानुभूति का भाव होना। विश्व–बंधुत्व की भावना को स्वीकार करना। धन का घमंड न करना। इस तथ्य पर विचार करना कि ईश्वर सदा सबका साथ देता है। दधीचि, कर्ण, रंतिदेव, उशीनर एवं महात्मा बुद्ध आदि की भाँति परोपकारी बनना चाहिए। सभी को मिलजुल कर रहना चाहिए व अपना जीवन इस प्रकार जीना चाहिए कि दूसरे उससे लाभान्वित हो सके। स्वयं ऊपर उठने के साथ–साथ दूसरों को भी ऊपर उठाना ही सच्ची मनुष्यता है। यदि हम इन भावनाओं से प्रेरित होते हैं तो समाज अवश्य उन्नति की ओर अग्रसर होगा।

अथवा

जीवन में हानि होने पर भी कवि कैसे आकांक्षा बनाए रखने की कामना करते हैं और क्यों? 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : आत्मत्राण कविता में कवि ने ईश्वर से यह प्रार्थना करनी चाही है कि जीवन के सुख के दिन यदि वह सहर्ष बिताता है तो दुख के दिनों को सहने की शक्ति भी उसे प्रभु को देनी चाहिए। वह मुश्किल समय में प्रभु का सहारा नहीं माँगता बल्कि यह प्रार्थना करता है कि उसमें इतना साहस हो कि वह मुश्किल को पार कर जाए। इसी शृंखला में वह प्रभु से प्रार्थना करता है कि लाभ की कामना करने पर यदि उसे हानि उठानी पढ़ जाए तो उसका विश्वास कभी ईश्वर से न उठे। वह जिस प्रकार सुख के दिनों में ईश्वर के समक्ष नतमस्तक रहता है वैसे ही दुख के दिनों में भी रहे। उसके मन में ईश्वर के प्रति कभी संशय के भाव न आएँ।

11.

1. पाठ 'सपनों के से दिन' के आधार पर बताइए कि स्कूल कैसे होने चाहिए कि बच्चों की रूचि पढ़ाई की ओर बढ़ाई जा सके? (60–70 शब्दों में समझाइये) 3

   उत्तर : 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर यह कहना गलत न होगा कि बच्चे पढ़ाई के साथ–साथ खेलना–कूदना भी अत्यधिक पसंद करते हैं। ढेरों किताबों व अध्यापकों की डाँट वे सहन नहीं कर सकते इसलिए हमें चाहिए कि हम बाल मनोविज्ञान का

सहारा लेकर बच्चों की गतिविधियों को बढ़ाएँ। उनकी रूचि का विषय उन्हें पढ़ने दें।

खेलकूद, व्यायाम, विभिन्न क्रियाकलाप, स्काउटिंग, वृक्षारोपण, विज्ञान संबंधी कार्य आदि सभी का माहौल उन्हें प्रदान करें। अपनी चाहतें उन पर न लादें। मार पीटकर पढ़ाने का प्रयास न करें। नई से नई तकनीक उन्हें सिखाएँ। पुस्तकीय ज्ञान की बजाए व्यावहारिक ज्ञान उन्हें सिखाना चाहिए। उन्हें हाथ के हुनर के कार्य सिखाने चाहिए। ऐसा सब करने से बच्चे पढ़ाई से दूर कभी नहीं भागेंगे।

2. लेखक ऐसा क्यों कहता है कि "मुझे कोई चुनाव तो लड़ना नहीं है?" 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर बताइए। टोपी शुक्ला और इफ्फन दोनों की कहानियों में से लेखक इफ्फन की कितनी कहानी कहते हैं और क्यों? आप दोनों से क्या प्रेरणा ग्रहण करते हैं? (60–70 शब्दों में समझाइये) 3

उत्तर : 'टोपी शुक्ला' कहानी के लेखक का यह कहना कि 'मुझे कोई चुनाव तो लड़ना नहीं है'– यह दर्शाता है कि लेखक को तो केवल टोपी और इफ्फन के माध्यम से यह दर्शाना है कि आपसी प्रेम किसी धर्म या जाति का मोहताज नहीं होता। टोपी हिन्दू परिवार से था और इफ्फन मुस्लिम परिवार से, लेकिन दोनों की मित्रता पर हिन्दू–मुस्लिम संबंधों का जरा भी प्रभाव न था।

टोपी और इफ्फन में से लेखक ने इफ्फन की कहानी को थोड़ा बढ़ा–चढ़ा कर कहा क्योंकि लेखक यह दर्शाना चाहता था कि इफ्फन और टोपी की गहरी दोस्ती थी लेकिन इफ्फन के पारिवारिक तौर–तरीके बिल्कुल अलग थे। दूसरी ओर लेखक मुस्लिम परिवार की कथा को अधिक दर्शाकर यह दर्शाने में भी कामयाब रहा कि कई मुस्लिम परिवार भारत में रह कर भी भारतीयता को न अपना सके जैसे इफ्फन के दादा–परदादा का भारत में मरना लेकिन दफन उन्हें उनकी मातृभूमि पर किया गया।

हम दोनों से यह प्रेरणा ग्रहण करते हैं कि आपसी संबंधों में प्रेम एवं भावों को प्रमुखता देनी चाहिए न कि धर्म और जाति को।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **राष्ट्रध्वज**
   ✲ स्वरूप ✲ राष्ट्रीय जीवन में महत्त्व ✲ इसका सम्मान।
2. **हमारे त्योहार**
   ✲ इनका स्वरूप ✲ हर्ष और उल्लास का प्रतीक ✲ लाभ।
3. **पुस्तक मेला**
   ✲ स्थान और व्यवस्था ✲ लाभ और महत्त्व।

उत्तर :

1. राष्ट्रध्वज

हर देश का अपना–अपना राष्ट्रीय ध्वज होता है। हमारे भारतवर्ष का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है। इसमें शामिल केसरिया रंग वीरता एवं त्याग का प्रतीक है। सफेद रंग सुख–शांति तथा हरा रंग खुशहाली एवं हरी–भरी फसलों का प्रतीक है। तिरंगे के बीचों–बीच अशोक चक्र है जो हमें सतत् परिश्रम की प्रेरणा देता है। चक्र अशोक स्तंभ से लिया गया है और इसका रंग नीला है। राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान प्रत्येक नागरिक को करना चाहिए। क्योंकि इसी ध्वज की आन के लिए, देश की आजादी के लिए अनेक लोगों ने अपनी कुर्बानियाँ दीं। तब जाकर 15 अगस्त 1947 को लाल किले पर देश के गौरव तिरंगे को पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा फहराया गया। हम नागरिकों का कर्त्तव्य है कि इसकी रक्षा और सम्मान करें ताकि यह हमेशा लहराता रहे, कभी भी झुके नहीं हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की सुख–शांति समृद्धि का प्रतीक तो है ही, यह देश की आन–बान और शान भी है।

2. हमारे त्योहार

भारत त्योहारों का देश है। यहाँ भिन्न–भिन्न धर्म एवं जाति संप्रदाय के लोग निवास करते हैं। भारत के त्योहार इसकी संस्कृति की महानता को उजागर करते हैं। ये जीवन में सुखद परिवर्तन लाकर नई चेतना व स्फूर्ति का संचार करते हैं। हमारे त्योहार करूणा, दया, आतिथ्य सत्कार, पारस्परिक प्रेम एवं सद्भावना तथा परोपकार जैसे नैतिक गुणों का विकास करने में सहायक होते हैं। ये अधिकतर ऋतु चक्र के अनुसार ही मनाए जाते हैं और सभी त्योहार जनमानस को खुशियाँ, उल्लास व उत्साह प्रदान करते हैं। 'विजयदशमी' बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है, 'दीपावली' में दीपों के साथ हमारे जीवन में भी नई रोशनी जागृत होती है। सिक्खों की वैसाखी, लोहड़ी, मुसलमानों की ईद और मुहर्रम, ईसाईयों का गुड फ्राइडे और क्रिसमस जैसे त्योहार समाज में नवीनता और खुशियाँ लाते हैं। ये हमारे जीवन की नीरसता को दूर कर हमें दान जैसे सत्कर्म की ओर प्रवृत भी करते हैं।

3. पुस्तक मेला

पुस्तक मेले हमारे लिए वरदान हैं। यहाँ पर अपनी विषयों पर सभी प्रकार की पुस्तकें आसानी से मिल जाती हैं। पाठक अपनी रूचि से योग्यता एवं आवश्यकतानुसार पुस्तकों का चुनाव कर सकते हैं। विषय और मूल्य की विविधता इस चुनाव को और भी सरल, सहज और सरस बना देती है। मेले में पुस्तकों पर चर्चाएँ और गोष्ठियाँ होती हैं जो पाठकों के लिए अत्यंत लाभदायक हैं। दिल्ली के प्रगति मैदान में हर वर्ष पुस्तक मेले का आयोजन किया जाता है। मेला और प्रदर्शन स्थल विस्तृत क्षेत्र में फैला है। वहाँ इतने प्रकाशकों के स्टॉल लगे होते हैं कि सब के सब एक दिन में देख पाना संभव ही नहीं। प्रदर्शित पुस्तकों को आकर्षक रूप से प्रस्तुत किया जाता है। एक पुस्तक मेले का सबसे बड़ा लाभ या महत्त्व यह है कि

यह लोगों के बीच किताबें पढ़ने की आदत विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, साथ ही शिक्षा, ज्ञान और संस्कृति का प्रसार करते हैं।

13. अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय खुलवाने की आवश्यकता समझाते हुए दिल्ली के शिक्षामंत्री को एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
शिक्षामंत्री महोदय
शिक्षा विभाग
दिल्ली

विषय : सार्वजनिक पुस्तकालय खुलवाने हेतु।

महोदय,

मैं दिल्ली के सरिता विहार क्षेत्र का निवासी हूँ। मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूँ कि कृपया हमारे क्षेत्र में एक सार्वजनिक पुस्तकालय खुलवा दीजिए। हमारे क्षेत्र में कोई पुस्तकालय नहीं है। बच्चों को कई प्रकार की पुस्तकें नहीं मिलती तो उन्हें मुश्किल का सामना करना पड़ता है। यदि पुस्तकालय खुल जाए तो उन्हें पुस्तकों के लिए इधर–उधर भटकना नहीं पड़ेगा। कई बच्चे महँगी पुस्तकें नहीं खरीद पाते उन्हें भी इससे सहायता मिलेगी। बुजुर्ग लोगों को भी इससे राहत मिलेगी। वे पुस्तकें पढ़कर अपना समय बिता सकेंगे।

आशा करता हूँ कि आप इस ओर ध्यान देंगे और जल्द ही एक पुस्तकालय का निर्माण करवाएँगे।

धन्यवाद!
प्रार्थी
राजीव मेहता
दिनांक : 10 जुलाई, 2019

अथवा

अपने विद्यालय में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था हेतु प्रधानाचार्य को एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

सेवा में,
प्रधानाचार्य
दिल्ली पब्लिक स्कूल
दिल्ली।

विषय : पीने के पानी की समुचित व्यवस्था करने हेतु।

महोदय,

मैं कक्षा दसवीं का विद्यार्थी शिवम शर्मा आपसे अनुरोध करना चाहता हूँ कि हमारे विद्यालय में पीने के पानी की अत्यधिक समस्या है। आर. ओ. सिस्टम पूरी तरह से खराब हो चुका है। नलों में पानी सीधा पानी की टंकी से आ रहा है।

इससे कई बच्चों को बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। आप से अनुरोध है कि इस कार्य हेतु ठोस कदम उठाएँ और जल्द से जल्द आर.ओ. सिस्टम सही करवाएँ।

धन्यवाद!
प्रार्थी
शिवम शर्मा
कक्षा–दसवीं 'बी'
दिनांक : 15 मई, 2019

14. आप अपने विद्यालय के सांस्कृतिक सचिव हैं। विद्यालय में होने वाली 'वाद–विवाद प्रतियोगिता' में भाग लेने के लिए आमंत्रण हेतु 40–50 शब्दों में एक सूचना जारी करें। 5

उत्तर :

सूचना पट्ट

केन्द्रीय विद्यालय

दिल्ली।

सूचना

वाद–विवाद प्रतियोगिता

प्रिय साथियों दिनांक : 10 फरवरी, 2020

आप सभी को सूचित किया जाता है कि 25 फरवरी, 2020 को विद्यालय में 'वाद–विवाद प्रतियोगिता' का आयोजन किया जा रहा है। जो विद्यार्थी इस कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं। वे दिनांक 22 फरवरी, 2020 तक अपनी कक्षाध्यापिका को अपना नाम लिखवा दें।

आर. पी. रॉय
(सांस्कृतिक सचिव)

अथवा

विद्यालय में छुट्टी के दिनों में प्रातःकाल योग की अभ्यास कक्षाएँ चलने की सूचना देते हुए इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु सूचना पट्ट के लिए 40–50 शब्दों में सूचना जारी करें।

उत्तर :

सूचना पट्ट

गाँधी बाल विद्यालय

वैशाली नगर, जयपुर।

सूचना

प्रातःकालीन योग कक्षाओं हेतु

प्रिय साथियो दिनांक : 8 दिसंबर, 2019

आप सबको सूचित किया जाता है कि शीतावकाश के दिनों में भी विद्यालय में दिनांक 25 दिसम्बर, 2019 से 31 दिसम्बर, 2019 तक प्रातः 7.00 बजे से 8.30 बजे तक योगा की कक्षाएँ निःशुल्क चलेंगी। जो विद्यार्थी इन कक्षाओं

को लेने के इच्छुक हैं वे अपना नाम हेड बॉय को जल्द से जल्द लिखवाएँ।

अंकित शुक्ला
(हेड बॉय)

15. विद्यालय में मोबाइल फोन के प्रयोग पर अध्यापक और विद्यार्थी के बीच संवाद को लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

अध्यापक : राहुल! आज तुम मोबाइल विद्यालय में लाए हो?

राहुल : अध्यापक जी, आज में थोड़ा काम करने के लिए मोबाइल लाया हूँ।

अध्यापक : तुम्हें पता है न कि मोबाइल लाना मना है।

राहुल : जानता हूँ अध्यापक जी, परन्तु आज मेरी बौद्धिक ज्ञान की परीक्षा है इसलिए थोड़ी तैयारी करनी थी।

अध्यापक : नहीं राहुल बेटा, यह सही नहीं है। तुम्हें घर पर ही तैयारी करनी चाहिए थी।

राहुल : अध्यापक जी, अब मैं क्या करूँ?

अध्यापक : राहुल, विद्यालय के प्रशासन विभाग में इस मोबाइल को जमा करवा दो और कल अपने माता–पिता से कहना कि आकर ले जाएँ। भविष्य में ऐसा मत करना।

राहुल : माफ कीजिए; भविष्य में ऐसा कभी नहीं करूँगा।

अथवा

'स्वच्छता अभियान' की सफलता के बारे में दो मित्रों का संवाद लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

महेन्द्र : हमारा 'स्वच्छता अभियान' सफल रहा।

मनीष : हाँ मित्र तुम ठीक कह रहे हो। पिछले एक साल से हमने यह अभियान शुरू किया है। तब से हमारे क्षेत्र के सभी पार्क, मैदान, सड़कें और सार्वजनिक शौचालय साफ रहने लगे हैं।

महेन्द्र : हमारी टीम ने जमकर जो कार्य किया है।

मनीष : मुझे अभी भी थोड़ी कमी लगती है।

महेन्द्र : तुम्हें क्या कमी लगती है?

मनीष : लोग अभी भी घरों के बाहर कूड़ा डाल देते हैं।

महेन्द्र : यह तो तुम ठीक कह रहे हो।

मनीष : अब इस ओर ध्यान देंगे।

महेन्द्र : हाँ ऐसा ही करेंगे। लोगों को जागरूक बनाएँगे।

16. अपने विद्यालय की संस्था 'संरक्षण' की ओर से जल का दुरूपयोग रोकने का आग्रह करते हुए लगभग 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

जल ही जीवन है

यही अपना बल है — जो जाना सफल है
ये बात प्रबल है — जल है तो कल है

"जल न बहाएँ, धरती को स्वर्ग बनाएँ।" यदि कल को सुरक्षित बनाना है तो जल का दुरूपयोग होने से बचाना है।

निवेदक :
संरक्षण संस्था
सरस्वती विद्या मंदिर
अजमेर।

अथवा

दिल्ली के साकेत में एक नया जिम खुला है, जिसमें कुशल प्रशिक्षक की देखरेख में व्यायाम की सुविधा है। 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

सुडोल बनिए! — स्वस्थ रहिए!
फिट एंड लिफ्ट — मजबूत बनिए!

जिम सेंटर

- नवीनतम उपकरण!
- आधुनिकतम तकनीक!
- कुशलतम प्रशिक्षक!

मात्र ₹ 200 मासिक देकर कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में प्रतिदिन प्रतिघंटा व्यायाम कीजिए और शरीर को बनाइए सुदृढ़, सुडौल और सुन्दर!

संपर्क
फिट एंड लिफ्ट जिम सेंटर,
210, साकेत, दिल्ली।
मोबाइल नं. : 08987476655

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and p aper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.